कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा

नियमावली आधारित पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग

सत्र 2020–2022 से प्रभावी

रुचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit

System (C.B.C.S)

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग

कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड

Post Graduate Departmenty of Sanskrit

Kolhan University, Chaibasa

CBCS Regulation for Post Graduate Course

पाठ्यक्रम सत्र 2020–2022 से प्रभावी

effective from Academic session -2020-2022

रुचि आधारित साख पद्धति

Semester	Coursees	पाठ्य	Marks	Credit	Hrs/week
First sem प्रथम समसत्र	Core course-1 (CCSANS-101)	सामान्य संस्कृत	100	4	60
	Core course-2 (CCSANS-102)	वेद	100	4	60
	Core course-3 (CCSANS-103)	व्याकरण	100	4	60
	Core course-4 (CCSANS-104)	संस्कृत महाकाब्य	100	4	60
	Core course-5 (CCSANS-105)	गीता एवं उपनिषद्	100	4	60
Second sem द्वितीय समसत्र	Core course-6 (CCSANS-201)	भाषा विज्ञान	100	4	60
	Core course-7 (CCSANS-202)	दर्शन	100	4	60
	Core course-8 (CCSANS-203)	आचार एवं व्यवहारशास्त्र	100	4	60
	Core course-9 (CCSANS-204)	काव्यशास्त्र	100	4	60
	Core course-10 (CCSANS-205)	नाट्य सहित्य	100	4	60
Third sem तृतीय समसत्र	Core course-11 (CCSANS-301)	व्याकरण	100	4	60
	Core course-12 (CCSANS-302)	गद्य साहित्य	100	4	60
	Discipline Specific Elective -1 (DSE- SANS-301) खण्ड अ	काव्यशास्त्र	100	4	60
	(DSE- SANS-301) खण्ड ब	संस्कृत नाटक	100	4	60
	(DSE- SANS-301) खण्ड स	भारतीय नास्तिक दर्शन	100	4	60
	Discipline Specific Elective -2 (DSE- SANS- 302) खण्ड अ	सामान्य संस्कृत	100	4	60
	(DSE- SANS- 302) खण्ड ब	काव्य	100	4	60
	(DSE- SANS- 302) खण्ड स	काव्यशास्त्र एवं छन्द	100	4	60
	Project (PR)-1 (PRSANS-301)	परियोजना कार्य	100	6	120

Fourth Sem चतुर्थ समसत्र	Core course-13 (CCSANS-401)	आधुनिक संस्कृत साहित्य	100	4	60
	Core course-14 (CCSANS-402)	नाटक एवं संस्कृत निबंध	100	4	60
	Discipline Specific Elective -3 (DSE- SANS- 401) खण्ड अ	संस्कृत काव्य			
	(DSE- SANS- 401) खण्ड ब	ज्योतिष	100	4	60
	(DSE- SANS- 401) खण्ड स	भरतीय दर्शन			
	Discipline Specific Elective -4 (DSE- SANS- 402) खण्ड अ	वैदिक साहित्य एवं व्याकरण	100	4	60
	(DSE- SANS- 402) खण्ड ब	अर्थसंग्रह एवं मीमांसा दर्शन			
	(DSE- SANS- 402) खण्ड स	धर्मशास्त्र एवं पुराण			
	Project (PR) (PRSANS-401)	परियोजना कार्य	100	6	120
	Total Credit			84	

Dr. T. Pandey
HOD Sanskrit
Kolhan University
Chaibasa

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग

कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड

Post Graduate Departmenty of Sanskrit

Kolhan University, Chaibasa

M.A First Semester प्रथम समसत्र

इस समसत्र में core course के पाँच पत्र होंगे। प्रत्येक पत्र का पूर्णांक –100 होगा। (ESUE-70+SIA-30=100)

Semester	Course	Course components	ESUS	SIA	Credit	L.T.P/D
First Semester प्रथम समसत्र	Core course-1 (CC-SANS-101)	सामान्य संस्कृत	70	30	4	3-1
	Core course-2 (CC-SANS-102)	वेद	70	30	4	3-1
	Core course-3 (CC-SANS-103)	व्याकरण	70	30	4	3-1
	Core course-4 (CC-SANS-104)	संस्कृत महाकाव्य	70	30	4	3-1
	Core course-5 (CC-SANS-105)	गीता एवं उपनिषद्	70	30	4	3-1

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, First Semester- प्रथम समसत्र
(CC-SANS-101) प्रथम पत्र

L.T.
3-1

Core course- 1 सामान्य संस्कृत (क्रेडिट–4)

अंक–70

समय –3 घण्टे

1. गीतगोविन्दम्– प्रथम एवं द्वितीय सर्ग (जयदेव)
2. नीतिशतकम्– 40 श्लोक पर्यन्तम् (भर्तृहरि)

प्रश्न विभाजन

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ/रिक्त स्थानो की पूर्ती के प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक का उत्तर दें। 1X10=10
2. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 6 श्लोक पुछे जायेंगे 3 का हिन्दी अनुवाद करना है। 3x5=15
3. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 4 श्लोक पुछे जायेंगे 2 की संस्कृत व्याख्या करें। $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$
4. गीतगोविन्दम् से दो आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे एक का उत्तर देना है। 1X15=15
5. नीतिशतकम से दो आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे एक का उत्तर देना है। 1X15=15

आन्तरिक मूल्यांकन– 30

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, First Semester- प्रथम समसत्र L.T. 3-1

Core course- 2 (CC-SANS-102) द्वितीय पत्र (क्रेडिट–4)

वेद अंक–70

समय –3 घण्टे

1. न्यू वैदिक सेलेक्शन भाग – I I

   तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन वाराणसी

   पाठ्यः– ऋग्वेद– इन्द्र1.32 ,सूर्य 1.115, उषस् III 61, पुरूष X-90 हिरण्यगर्भ X.121

   शुक्ल यजुर्वेद– शिवसंकल्प 34.1.6 प्रजापति 32.1.5

   अथर्ववेद– राष्ट्राभिवर्धनम् 1.29

   प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ/रिक्त स्थानो की पूर्ति के प्रश्न पुछे जायेंगे सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1x10=10
2. ऋगवेद से 6 मंत्र पुछे जायेंगे तीन का हिन्दी अनुवाद करना है। 3x5=15
3. ऋगवेद से 4 मंत्र पुछे जायेंगे 2 की संस्कृत में व्याख्या करनी है। $7\frac{1}{2} X 2 = 15$
4. यजुर्वेद एवं अथर्ववेद से 6 मंत्र पुछे जायेंगे तीन का हिन्दी अनुवाद करना है । 3x5=15
5. सर्म्पूण पाठ्यांश से 2 देवता का परिचय पुछा जायेगा एक का उत्तर देना है। 1x15=15

आंतरिक मूल्यांकन–30

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, First Semester- प्रथम समसत्र L.T. 3-1

Core course- 3 (CC-SANS-103) तृतीय पत्र (क्रेडिट–4)

व्याकरण अंक–70

समय –3 घण्टे

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी
   - कृत्य प्रकरण
   - पूर्वकृदन्त
   - पारिभाषिक शब्दावली

   संहिता, संयोग ,गुण, वृद्धि, प्रातिदिक, नदी, घि, उपधा,गति, पद, अपृक्त,सवर्ण,टि, प्रगृह्य् सर्वनामस्थान, भ, सर्वनाम, निष्ठा, विभाषा

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न देय है प्रत्येक का उत्तर देना अनिवार्य है। 1x10=10
2. कृत्य प्रकरण से 6 सूत्रो की व्याख्या पूछी जायेगी 3 की सोदाहरण व्याख्या करनी है। 5X3=15
3. पूर्ण कृदन्त से 6 सूत्रो की व्याख्या पूछी जायेगी 3 की सोदाहरण व्याख्या करनी है। 5X3=15
4. कृत्य एवं पूर्व कृदन्त से 6 रूपसिद्धि के लिए दी जायेगी 3 पदो की सिद्धि करनी है। 5X3=15
5. परिभाषा के लिए 6 शब्द पूछे जायेंगे 3 का उत्तर देना अनिवार्य 5X3=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, First Semester- प्रथम समसत्र

L.T.
3-1

Core course- 4 (CC-SANS-104) चतुर्थ पत्र (क्रेडिट–4)

संस्कृत महाकाब्य अंक–70

समय –3 घण्टे

1. नैषधीयचरितम्– श्रीहर्षकृत (प्रथम सर्ग)
2. शिशुपालवधम्– श्रीमाघकृत (एकादश सर्ग)

प्रश्न चयन निर्देश :–

1.	संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जायेंगे।	1x10=10
2.	सम्पूर्ण पाट्यांश से 6 श्लोक पुछे जायेंगे 3 का हिन्दी में अर्थ लिखना है।	3x5=15
3.	सम्पूर्ण पाट्यक्रम से 4 श्लोक पुछे जायेंगे 2 की संस्कृत व्याख्या करें।	$7\frac{1}{2}$ X 2 = 15
4.	नैषधीय चरितम् से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है।	1x15=15
5.	शिशुपालवधम् से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है।	1x15=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, First Semester- प्रथम समसत्र L.T. 3-1

Core course- 5(CC-SANS-105) पंचम पत्र (क्रेडिट–4)

गीता एवं उपनिषद् अंक–70

समय –3 घण्टे

1. श्रीमद्भगवद् गीता – चतुर्थ अध्याय
2. ईशावास्योपनिषद्

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जायेंगे सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1x10=10
2. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 6 श्लोक पुछे जायेंगे 3 का हिन्दी में अर्थ लिखना है। 3x5=15
3. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 4 श्लोक पुछे जायेंगे 2 की संस्कृत व्याख्या करें। $7\frac{1}{2}$ X 2 = 15
4. श्रीमद्भगवद् गीता से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1x15=15
5. ईशावास्योपनिषद् से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1x15=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग

कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड

Post Graduate Departmenty of Sanskrit

Kolhan University, Chaibasa

M.A Second Semester द्वितीय समसत्र

इस सत्र में Core Course के पाँच पत्र होंगे।प्रत्येक पत्र का पूर्णांक 100 होगा।

Semester	Course	Course components	ESUS	SIA	Credit	L.T.P/D
Second Semester द्वितीय समसत्र	Core course-6 (CC-SANS-201)	भाषा विज्ञान	70	30	4	3-1
	Core course-7 (CC-SANS-202)	दर्शन	70	30	4	3-1
	Core course-8 (CC-SANS-203)	आचार एवं व्यवहारशास्त्र	70	30	4	3-1
	Core course-9 (CC-SANS-204)	काव्यशास्त्र	70	30	4	3-1
	Core course-10 (CC-SANS-205)	नाट्य सहित्य	70	30	4	3-1

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, Second Semester- द्वितीय समसत्र L.T. 3-1

Core course- 6(CC-SANS-201) षष्ठ पत्र (क्रेडिट–4)

भाषा विज्ञान अंक–70

समय –3 घण्टे

1. सामान्य भाषा विज्ञान – (डॉ0 भोला नाथ तिवारी)

   भाषा की उत्पति, पारिवारिक एवं आकृतिमूलक वर्गीकरण, ध्वनि , ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमैन, वर्नर) अर्थ विज्ञान ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

2. संस्कृत भाषा का शास्त्रीय अध्ययन– (डॉ0 भोलाशंकर व्यास)
   उच्चारण स्थान, स्वर तथा व्यंजन ध्वनियाँ, संस्कृत वाक्य रचना,संस्कृत तथा अवेस्ता।

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ/रिक्त स्थानो की पूर्ति के प्रश्न पुछे जायेंगे सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1x10=10
2. सामान्य भाषा विज्ञान से चार आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे दो का उत्तर देना अनिवार्य है। 2x15=30
3. 'संस्कृत भाषा का शास्त्रीय अध्ययन' से दो आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे एक का उत्तर देना अनिवार्य है। 1x15=15
4. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 6 टिप्पणी पुछी जायेंगी 3 का उत्तर देना है। 3x5=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, Second Semester- द्वितीय समसत्र L.T. 3-1

Core course- 7 (CC-SANS-202) सप्तम पत्र (क्रेडिट–4)

दर्शन अंक–70

समय –3 घण्टे

1. वेदान्त सार– सदान्द कृत (अनुबन्ध चतुष्टय, तत्वमसि, अहंब्रहमास्मि, पन्चीकरण, सृष्टिक्रम)
2. सांख्यकारिका – ईश्वर कृष्ण कृत– पचीस कारिका पर्यन्त (सत्यकार्यवाद, पुरूष स्वरूप सृष्टिक्रम, प्रत्यय सर्ग एवं कैवल्य)
3. तर्क भाषा– केशव मिश्र रचित, प्रमाण पर्यन्त

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ/रिक्त स्थानो की पूर्ति के प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1x10=10
2. वेदान्तसार से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे एक का उत्तर देना अनिवार्य है। 1x15=15
3. सांख्यकारिका से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे एक का उत्तर देना है। 1x15=15
4. तर्क भाषा से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे एक का उत्तर देना अनिवार्य है। 1x15=15
5. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 6 टिप्पणी पूछी जयेंगी 3 का उत्तर देना है। 3x5=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, Second Semester- द्वितीय समसत्र L.T. 3-1

Core course- 8 (CC-SANS-203) अष्टम पत्र (क्रेडिट–4)

आचार एवं व्यवहारशास्त्र अंक–70

समय –3 घण्टे

1. मनुस्मृति– द्वितीय अध्याय
2. कौटिल्य अर्थशास्त्र– प्रथम अधिकारण
3. पाताञ्जलयोगदर्शन– समाधिपाद

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ/रिक्त स्थानो की पूर्ति के प्रश्न पुछे जायेंगे सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1x10=10
2. मनुस्मृति से 6 श्लोक पुछे जायेंगे 3 का हिन्दी अनुवाद करना अनिवार्य है। 3x5=15
3. कौटिल्य अर्थशास्त्र से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे एक का उत्तर देना अनिवार्य है। 1x15=15
4. पाताञ्जलयोगदर्शन से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे एक का उत्तर देना अनिवार्य है। 1x15=15
5. कौटिल्य अर्थशास्त्र एवं पाताञ्जलयोगदर्शन से 4 सूत्र पूछे जायेंगे 2 की हिन्दी में व्याख्या करें। $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$

आन्तरिक मूल्यांकन–30

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, Second Semester- द्वितीय समसत्र L.T. 3-1

Core course- 9 (CC-SANS-204) नवम पत्र (केडिट–4)

काव्यशास्त्र अंक–70

समय –3 घण्टे

काव्यप्रकाश – (आचार्य मम्मट)

प्रथम , द्वितीय, एवं दशम उल्लास

नोटः– दशम उल्लास में निम्नलिखित 15 अलंकारो का अध्ययन करना आवश्यक है।
उपमा , उत्प्रेक्षा, रूपक, समासोक्ति, निदर्शना, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास काव्यलिंग, भ्रांतिमान, अपह्नुति, व्यतिरेक, अप्रस्तुतप्रशंसा, दृष्टांत, तुल्योगिता, विभावना–15

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/रिक्त स्थानो की पूर्ति के प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. प्रथम एवं द्वितीय उल्लास से 4 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे, दो का उत्तर देना है– 2X15=30
3. प्रथम एव द्वितीय उल्लास से चार कारिका दी जायेगी दो कारिका की हिन्दी में व्याख्या अपेक्षित है। $7\frac{1}{2}$ X 2 = 15
4. छः अलंकारों का लक्षण उदाहरण सहित स्पष्टीकरण पूछा जाएगा 3 का उत्तर देना। 5X3=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, Second Semester- द्वितीय समसत्र L.T. 3-1

Core course- 10 (CC-SANS-205) दशम पत्र (क्रेडिट–4)

नाट्य सहित्य अंक–70

समय –3 घण्टे

नाटक

1. उत्तरराम चरितम्– (भवभूति प्रणीत 1– से 4 अंक)
2. कुमार विजयम्– (डॉ0 रामाशीष पाण्डेय प्रणीत –1 से 4 अंक)

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/रिक्त स्थानो की पूर्ति के प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 6 श्लोक पुछे जायेंगे 3 का हिन्दी अर्थ लिखना है। 3x5=15
3. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 4 श्लोक पुछे जायेंगे 2 की संस्कृत व्याख्या करें। $7\frac{1}{2} X 2 = 15$
4. उत्तरराम चरितम से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे, 1 का उत्तर देना है– 1 X15=15
5. कुमार विजयम् से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे, 1 का उत्तर देना है– 1X15=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

सहायक ग्रन्थः–

1. उत्तरराम चरितम– रमाशंकर त्रिपाठी, चौरवम्बा विद्याभवन, वाराणसी

डॉ0 किशोरनाथ झा, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ

2. कुमार विजयम– डॉ0 रामाशीष पाण्डेय, प्रबोध प्रकाशन, राँची

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग

कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड

Post Graduate Departmenty of Sanskrit

Kolhan University, Chaibasa

M.A Third Semester तृतीय समसत्र

इस समसत्र में कुल पाँच पत्रो का अध्ययन करना है। Core course में दो पत्र होंगे जो अनिवार्य है। Discipline Specific Elective के दो पत्र होंगे लेकिन प्रत्येक के तीन खण्ड अ,ब,स होंगे। पाँचवे पत्र के रूप में परियोजना कार्य रखा गया है।

Semester	Course	Course components	ESUS	SIA	Credit	L.T.P/D
Third Semester तृतीय समसत्र	Core course-11 CC-SANS-301	व्याकरण	70	30	4	3-1
	Core course-12 CC-SANS-302	गद्य साहित्य	70	30	4	3-1
	Discipline Specific Elective -1 (DSE- SANS-301) खण्ड अ	काव्यशास्त्र	70	30	4	3-1
	(DSE- SANS-301) खण्ड ब	संस्कृत नाटक	70	30	4	3-1
	(DSE- SANS-301) खण्ड स	भारतीय नास्तिक दर्शन	70	30	4	3-1
	Discipline Specific Elective -2 (DSE- SANS-302) खण्ड अ	सामान्य संस्कृत	70	30	4	3-1
	(DSE- SANS-302) खण्ड ब	काव्य				3-1
	(DSE- SANS-302) खण्ड स	काव्यशास्त्र एवं छन्द				3-1
	Project (PR)-1 (PRSANS-301)	परियोजना कार्य	70	30	6	008

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, Third Semester- तृतीय समसत्र L.T. 3-1

Core course- 11 (CC-SANS-301) एकादश पत्र (क्रेडिट–4)

व्याकरण

अंक–70

समय –3 घण्टे

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी– (तद्धित प्रकरण, अपत्याधिकार और स्त्री प्रत्यय)
2. महाभाष्य (पस्पशाह्निक)

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/रिक्त स्थानो की पूर्ति के प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. लघुसिद्धान्त कौमुदी से 6 सूत्र सोदाहरण व्याख्या के लिए दिये जायेंगे जिसमें 3 का उत्तर देना है। 5X3=15
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी से 6 पद सिद्धि के लिए दिये जायेंगे जिसमें 3 का उत्तर देना है। 5X3=15
4. महाभाष्य से 4 अंश व्याख्या के लिए दी जायेगी जिसमें 2 की व्याख्या हिन्दी में करनी है । $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$
5. महाभाष्य से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेगे जिसमें 1 एक का उत्तर देना है। 1X15=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

सहायक पुस्तकें

1– लघुसिद्धान्त कौमुदी :– श्री महेश सिंह कुशवाहा– चौखम्बा विद्याभवन

श्री धराचार्य – चौखम्बा विद्याभवन

2– व्याकरण महाभाष्यः– डॉ0 चारूदेव शास्त्री , मोती लाल बनारसीदास

मधुसुदन मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, Third Semester- तृतीय समसत्र L.T. 3-1

Core course- 12 (CC-SANS-302) द्वादश पत्र (क्रेडिट–4)

गद्य साहित्य

अंक–70

समय –3 घण्टे

1. कादम्बरी कथामुख (आकर्ण्यताम् यदि कौतुकम् पर्यन्तम्)- वाणभट्ट
2. दशकुमार चरितम् (विश्रुत चरित)- दण्डी

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/रिक्त स्थानो की पूर्ति के प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 6 गद्यांश दिए जायेंगे तीन का हिन्दी अनुवाद करना है। 5X3=15
3. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 4 गद्यांश दिये जायेंगे दो की संस्कृत में व्याख्या करनी है। $7\frac{1}{2} X 2 = 15$
4. कादम्बरी से दो आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे एक का उत्तर देना है। 1X15=15
5. दशकुमार चरितम् से दो आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे एक का उत्तर देना है। 1X15=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

सहायक ग्रंथ–

1. कादम्बरी (वाणभट्ट) – प्रो0 समीर शर्मा ,चौखम्बा प्रकाशन
   रतिनाथ झा, मोती लाल बनारसीदास
   श्री कृष्ण ठाकुर, चौखम्बा प्रकाशन
2. दशकुमार चरितम (विश्रुतचरितम्) – श्री विश्वनाथ झा, मोती लाल बनारसीदास

(DSE-SANS-301) Discipline Specific Elective -1

L.T.
3-1

Group-(A)खण्ड अ (क्रेडिट–4)

काव्यशास्त्र

अंक–70

समय –3 घण्टे

1. ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)
2. अरस्तू का काव्यशास्त्र – काव्यसिद्धान्त का विवेचन, कामदी का विवेचन, विरेचन का सिद्धान्त, महाकाव्य, काव्य भाषा शैली, अरस्तू का रस विवेचन।

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/रिक्त स्थानो की पूर्ति के प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. ध्वन्यालोक स 4 कारिकाएँ व्याख्या के लिए दी जायेंगी दो की व्याख्या हिन्दी में करनी है। $7\frac{1}{2} X 2 = 15$
3. ध्वन्यालोक से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
4. अरस्तू के काव्यशास्त्र से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
5. अरस्तू के काव्यशास्त्र से 6 टिप्पणी पुछी जायेंगी 3 का उत्तर देना है। 5X3=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

सहायक ग्रंथ

1. ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) – राम सागर त्रिपाठी
   आचार्य विश्वेश्वर ज्ञानमण्डल लिमिटेड वाराणसी
   मोती लाल बनारसी दास
2. अरस्तू का काव्यशास्त्र– डॉ0 नगेंद्र, हिन्दी अनुसंधान परिषद्, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

(DSE-SANS-301) Discipline Specific Elective -1

L.T.
3-1

Group-(B)) खण्ड ब (क्रेडिट–4)

संस्कृत नाटक

अंक–70

समय –3 घण्टे

1. वेणी संहार– मट्टनारायण –(1-4 अंक)
2. रत्नावली– हर्ष

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/रिक्त स्थानो की पूर्ति के प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 6 श्लोक अनुवाद के लिए दिए जायेंगे 3 का हिन्दी में अनुवाद करना है। 3x5=15
3. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 4 श्लोक पुछे जायेंगे जिसमें से 2 की संस्कृत में व्याख्या करें। $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$
4. वेणी संहार से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
5. रत्नावली से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

(DSE-SANS-301) Discipline Specific Elective -1

L.T.
3-1

Group-(C) खण्ड स (क्रेडिट–4)

भारतीय नास्तिक दर्शन

अंक–70

समय –3 घण्टे

1. चार्वाक दर्शन
2. बौद्ध दर्शन
3. जैन दर्शन

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. चार्वाक दर्शन से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
3. बौद्ध दर्शन से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
4. जैन दर्शन से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
5. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 6 टिप्पणी पुछी जायेंगी 3 का उत्तर देना है। 5X3=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

सहायक पुस्तकः–

1. माधवाचार्य कृत सर्वदर्शन संग्रह– डॉ0 उमाशंकर ऋषि ,चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
2. माधवाचार्य विचरित सर्वदर्शन संग्रह– डॉ0 उदय नारायण सिंह, खेमराज कृष्णदास मुम्बई

(DSE-SANS-302) Discipline Specific Elective -1

Group-(A) खण्ड अ

L.T.
3-1

(क्रेडिट–4)

सामान्य संस्कृत

अंक–70

समय –3 घण्टे

1. दशरूपक (प्रथम एवं तृतीय प्रकाश)
2. निरूक्त (यास्क) (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/रिक्त स्थानो की पूर्ति के प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. दशरूपक से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
3. दशरूपक से 6 टिप्पणी दी जायेंगी , तीन टिप्पणी लिखें। 5X3=15
4. निरूक्त से 6 अंशो की व्याख्या पुछी जायेगी 3 की व्याख्या हिन्दी में करें। 5X3=15
5. निरूक्त से 6 शब्द निर्वचन के लिए दिये जायेंगे 3 का उत्तर देना आवश्यक है। 5X3=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

1. दशरूपक – (धनन्जय) : डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
   डॉ0 भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
2. निरूक्त : डॉ0 उमाशंकर ऋषि ,चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
3. व्युपति विज्ञान : डॉ0 रामाशीष पाण्डेय, प्रबोध प्रकाशन, राँची

(DSE-SANS-302) Discipline Specific Elective -1

L.T.
3-1

Group-(B) खण्ड ब

(क्रेडिट–4)

काव्य

अंक–70

समय –3 घण्टे

1. मेघदूतम् – (उत्तर मेघ) 40 श्लोक पर्यन्त
2. बुद्धचरित – प्रथम सर्ग

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 6 श्लोक अनुवाद के लिए दिए जायेंगे 3 का हिन्दी में अनुवाद करना है।3x5=15
3. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 4 श्लोक पुछे जायेंगे जिसमें से 2 की संस्कृत में व्याख्या करें। $7^{1}/_{2}$ X 2 = 15
4. मेघदूतम् से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
5. बुद्धचरित से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

(DSE-SANS-302) Discipline Specific Elective -1

L.T.
3-1

Group-(C) खण्ड स

(क्रेडिट–4)

काव्यशास्त्र एवं छन्द

अंक–70

समय –3 घण्टे

1. काव्य प्रकाश – 3 से 7 उल्लास तक
2. छन्दो मंजरी – 12 छन्द

   वसन्ततिलका, मालिनी, शिरवरिणी मन्दाक्रान्ता, हरिणी, शालिनी, शार्दूलविक्रीडित,स्रग्धरा,अनुष्टुप् , वंशस्थ, इन्द्रवज्रा, द्रुतविलम्बित

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. काव्य प्रकाश के तीसरे एवं चौथे उल्लास से दो आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
3. काव्य प्रकाश के पाँचवे से सातवे (5–7) उल्लास से दो आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
4. काव्य प्रकाश से 4 कारिका दी जायेंगी जिसमें दो की व्याख्या हिन्दी में करनी है। $7\frac{1}{2}$ X 2 = 15
5. छन्दो मंजरी से 6 छन्द पुछे जायेंगे जिसमें किसी तीन का लक्षण एवं उदाहरण के साथ स्पष्ट करना है। 3x5=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

तृतीय समसत्र

Project (PR-SANS)-1 PR(A) 301

(क्रेडिट–6)

PR-SANS-301 परियोजना कार्य

अंक–100

1. लेखिकी – 70 अंक
2. मौखिकी – 30 अंक

लघुशोध प्रबंध अधिकतम 100 पृष्ठो की होनी चाहिए।

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग

कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड

Post Graduate Departmenty of Sanskrit

Kolhan University, Chaibasa

M.A Fourth Semester चतुर्थ समसत्र

इस समसत्र में 5 पत्रों का अध्ययन करना है। कोर कोर्स में दो पत्र होंगे जो अनिवार्य होंगे। Decipline Specific Course के दो पत्र होंगे लेकिन प्रत्येक के 'अ,ब और स' तीन–तीन खण्ड होंगे जिसमें प्रत्येक से एक एक खण्ड का चयन कर अध्ययन करना है। पाँचवा पत्र परियोजना कार्य होगा।प्रत्येक पत्रों का पूर्णांक 100 होगा।

Semester	Course	Course components	ESUS	SIA	Credit	L.T.P/D
Fourth Semester चतुर्थ समसत्र	Core Course-13 (CCSANS-401)	आधुनिक संस्कृत साहित्य	70	30	4	3-1
	Core Course-14 (CCSANS-402)	नाटक एवं संस्कृत निबंध	70	30	4	3-1
	Discipline Specific Elective-3 DSE 401 खण्ड अ	संस्कृत काव्य	70	30	4	3-1
	DSE 401 खण्ड ब	ज्योतिष				3-1
	DSE 401 खण्ड स	भरतीय दर्शन				3-1
	Discipline Specific Elective-4 DSE 401खण्ड अ	वैदिक साहित्य एवं व्याकरण	70	30	4	3-1
	DSE 401खण्ड ब	अर्थ संग्रह एवं मीमांसा दर्शन				3-1
	DSE 401खण्ड स	धर्मशास्त्र एवं पुराण				3-1
	PR-401	परियोजना कार्य	80	20	6	008

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, Fourth Semester- चतुर्थ समसत्र L.T. 3-1

Core course- 13 (CC-SANS-401) त्रयोदश पत्र (क्रेडिट–4)

आधुनिक संस्कृत साहित्य अंक–70

समय –3 घण्टे

1. काव्य – तदेव गगनं सैव धरा, आचार्य श्रीनिवास रथ (1–5 कविता)
2. काव्यशास्त्र – अभिराजयशोभूषणम् (चतुर्थ उन्मेष)
   काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्य लक्षण, काव्यभेद।
3. बीसवीं सदी के संस्कृत कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व –
   अभिराजराजेन्द्र मिश्र, प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी, डॉ0 रमाकान्त शुक्ल, सत्यव्रत शास्त्री, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, रेवा प्रासद द्विवेदी, रामाशीष पाण्डेय, आचार्य बलदेव उपाध्याय

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. तदेव गगनं सैव धरा से 6 श्लोक अनुवाद के लिए दिए जायेंगे 3 का हिन्दी में अनुवाद करना है। 5x3=15
3. अभिराजयशोभूषणम् से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
4. दो कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
5. चार कवियों पर संक्षिप्त टिप्पणी पुछी जायेंगी 2 का उत्तर देना है। $7\frac{1}{2} X 2 = 15$

आन्तरिक मूल्यांकन–30

सहायक ग्रन्थः–

1. तदेव गगनं सैव धरा– आचार्य श्रीनिवास रथ, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान दिल्ली
2. अभिराजयशोभूषणम् – अभिराज राजेन्द्र मिश्र
3. अभिराजयशोभूषणम् – ससमीक्षमधीतिः– प्रवीण पण्ड्या
4. अभिराजयशोभूषणम् – एक समीक्षात्मक अध्ययन, डॉ0 सोनिका राव
5. संस्कृत वाङ्मय का वृह्द इतिहास :सप्तम खण्ड – सम्पादक– डॉ0 जगन्नाथ पाठक,उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान,लखनऊ
6. आधुनिक संस्कृत साहित्य – अभिराज राजेन्द्र मिश्र
7. आधुनिक संस्कृत साहित्य – हर्षदेव माधव
8. संस्कृत साहित्य (बीसवीं सदी) – प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी

स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग
कोल्हान विश्वविद्यालय चाईबासा, झारखण्ड
सत्र– 2020–2022 से प्रभावी पाठ्यक्रम

M.A Sanskrit, Fourth Semester- चतुर्थ समसत्र L.T. 3-1

Core course- 14 (CC-SANS-402) चतुर्दश पत्र (क्रेडिट–4)

समय –3 घण्टे **नाटक एवं संस्कृत निबंध** अंक–70

1. मृच्छकटिकम् (1–4 अंक)
2. साहित्यिक निबन्ध (संस्कृत में)
3. समसामयिक निबन्ध (संस्कृत में)

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. मृच्छकटिकम् से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जायेंगे सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. मृच्छकटिकम् से 6 श्लोक दिये जायेंगे किसी 3 का हिन्दी में अनुवाद करना है। 5x3=15
3. मृच्छकटिकम् से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
4. तीन साहित्यिक निबन्ध दिये जायेंगे किसी एक विषय पर संस्कृत में निबंध लिखना अपेक्षित है। 1X15=15
5. तीन समसामयिक निबन्ध दिये जायेंगे किसी एक विषय पर संस्कृत में निबंध लिखना अपेक्षित है। 1X15=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

सहायक ग्रन्थः–

1. मृच्छकटिकम् – डॉ0 रामाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल वनारसीदास
   डॉ0 जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन
2. संस्कृत निबंध रत्नाकर – डॉ0 राज किशोर सिंह, प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
3. संस्कृत निबंधावली – रामजी उपाध्याय लोकभरती प्रकाशन,इलाहाबाद
4. निबंध कुसुमामान्जलि – डॉ0 जयमन्त मिश्र, मोतीलाल वनारसीदास

(DSE-SANS-401) Discipline Specific Elective-3

L.T.
3-1

Group-(A) खण्ड अ — संस्कृत काव्य — (क्रेडिट–4)

समय –3 घण्टे — अंक–70

1. रघुवंशम् – प्रथम सर्ग
2. भाति मे भारतम् – 30 श्लोक पर्यन्त

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. 'भाति में भारतम्' से 6 श्लोक दिये जायेंगे किसी 3 का हिन्दी में अनुवाद करना है। 3x5=15
3. रघुवंशम् से 4 श्लोक दिये जायेंगे किसी दो की संस्कृत में व्याख्या करनी है। $7^{1}/_{2}$ X 2 = 15
4. रघुवंशम् से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। X15=15
5. भाति में भारतम् से दो आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

सहायक ग्रन्थः–

1. रघुवंश महाकाव्य – व्याख्याकार : डॉ0 रामाशंकर त्रिपाठी, चौखम्बा प्रकाशन
   शेषराज शर्मा रेग्मी / सुधाकर मिश्र / डॉ0 संसार चन्द्र , श्री रंजनसूरि देव / मोती लाल वनारसी दास
2- भाति में भारतम् – डॉ0 रमाकान्त शुक्ल (देववाणी,परिष्द,दिल्ली)

(DSE-SANS-401) Discipline Specific Elective-3

L.T.
3-1

Group-(B) खण्ड ब

ज्योतिष

(क्रेडिट–4)

समय –3 घण्टे

अंक–70

1. मुहुर्त चिन्तामणि (यात्रा प्रकरण, वास्तुप्रकरण तथा गृहप्रवेश प्रकरण)
2. जातक पारिजात (राशिशीलाध्याय एवं अरिष्टाध्याय)

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 6 श्लोक दिये जायेंगे 3 का हिन्दी अनुवाद करना है। 3x5=15
3. सम्पूर्ण पाठ्यांश से 4 श्लोक दिये जायेंगे 2 की हिन्दी व्याख्या अपेक्षित है। $7\frac{1}{2} \text{ X } 2 = 15$
4. मुहूर्त चिन्तामणि से दो आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे एक का उत्तर देना है। 1x15=15
5. जातक पारिजात से दो आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे एक का उत्तर देना है। 1x15=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

(DSE-SANS-401) Discipline Specific Elective-3

L.T.
3-1

Group-(C) खण्ड स

भरतीय दर्शन

(क्रेडिट–4)

समय –3 घण्टे

अंक–70

1. न्याय दर्शन
2. वैशेषिक दर्शन
3. सांख्य दर्शन

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जायेंगे,सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. न्याय दर्शन से 2 प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
3. वैशेषिक दर्शन से 2 प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
4. सांख्य दर्शन से 2 प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
5. संपूर्ण पाठ्यांश से टिप्पणी के लिए 6 अंश दिये जायेंगे 3 का उत्तर देना है। 3x5=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

(DSE-SANS-402) Discipline Specific Elective-4

L.T.
3-1

Group-(A) खण्ड अ

वैदिक साहित्य एवं व्याकरण

(क्रेडिट–4)

समय –3 घण्टे

अंक–70

1. वैदिक साहित्य का इतिहास (ब्राह्मण, आरण्यक, वेदाङ्ग,संहिता साहित्य, वेदो का काल–निर्धारण)
2. वैदिकी प्रक्रिया– (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय अध्याय)

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. वैदिक साहित्य से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
3. वैदिक साहित्य से 6 टिप्पणी दी जायेंगी 3 का उत्तर देना है। 5X3=15
4. वैदिकी प्रक्रिया से 6 सूत्र पुछे जायेंगे, 3 सूत्रो की सोदाहरण व्याख्या हिन्दी में अपेक्षित है।5X3=15
5. वैदिकी प्रक्रिया से 6 पद रूपसिद्धि के लिए दिये जायेंगे 3 का उत्तर देना है। 5X3=15

आन्तरिक मूल्यांकन–30

सहायक ग्रन्थः–

1. वैदिक साहित्य का इतिहास – पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य वलदेव उपाध्याय, शरदा निकेतन, वाराणसी
3. वैदिकी प्रक्रिया – उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

(DSE-SANS-402) Discipline Specific Elective-4

L.T.
3-1

Group-(B) खण्ड ब

अर्थसंग्रह एवं मीमांसा दर्शन

(केडिट–4)

समय –3 घण्टे

अंक–70

1. अर्थसंग्रह (लौंगाक्षिभास्कर)
2. मीमांसा दर्शन का इतिहास

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. अर्थसंग्रह से 2 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 1 का उत्तर देना है। 1X15=15
3. अर्थ संग्रह से 2 अंशो की हिन्दी में व्याख्या करनी है 4 अंश पुछे जायेंगे। $7\frac{1}{2} X 2 = 15$
4. मीमांसा दर्शन के इतिहास से दो प्रश्नो का उत्तर देना है 4 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे। 2X15=30

आन्तरिक मूल्यांकन–30

(DSE-SANS-402) Discipline Specific Elective-4

L.T.
3-1

Group-(C) खण्ड स

धर्मशास्त्र एवं पुराण

(क्रेडिट–4)

समय –3 घण्टे

अंक–70

1. पुराण – पुराण का लक्षण, महापुराण, उपपुराण
   पौराणिक सृष्टि विज्ञान,पौराणिक आख्यान।
2. धर्मशास्त्र – आचार, आश्रम, वर्ण व्यवहार एवं प्रायश्चित्।

प्रश्न चयन निर्देशः–

1. संपूर्ण पाठ्यांश से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पुछे जायेंगे, सभी का उत्तर देना अनिवार्य है। 1X10=10
2. पुराण से 4 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 2 का उत्तर देना है। 2X15=30
3. धर्मशास्त्र से 4 आलोचनात्मक प्रश्न पुछे जायेंगे 2 का उत्तर देना है। 2X15=30

आन्तरिक मूल्यांकन–30

Project (PR)-2 (क्रेडिट–6)

PR-SANS-401 परियोजना कार्य अंक–100

लघुशोध प्रबंध अधिकतम 100 पृष्ठो की होनी चाहिए।

1. लेखिकी – 80 अंक
2- मौखिकी – 20 अंक